



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 286]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 3, 2009/भाद्र 12, 1931

No. 286]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 3, 2009/BHARDA 12, 1931

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 2009

निधन-सूचना

सं. 3/6/2009-पब्लिक.—आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री, डॉ. वाई. एस. राजशेखर रेड्डी का 2 सितम्बर, 2009 को आन्ध्र प्रदेश में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया।

2. आन्ध्र प्रदेश के रायलसीमा में पुलिवेन्दुला में 8 जुलाई, 1949 को जन्मे और वाई. एस. आर. के रूप में लोकप्रिय डॉ. वाई. एस. राजशेखर रेड्डी एक ऐसे चतुर राजनीतिज्ञ और प्रतिभावान जन-नेता थे, जिन्होंने समाज के दबे-कुचले और उपेक्षित वर्गों के उत्थान के प्रति अपनी अनुकरणीय निष्ठा द्वारा राज्य की राजनीति में अपने लिए खास जगह बनाई। आपने निर्धन और पिछड़े लोगों के अधिकारों की सुरक्षा करने के लिए सदैव संघर्ष किया। अपने छात्र-दिनों से ही आपकी राजनीति में हचि पैदा हो गई। एम.बी.बी.एस. पूरा करने के बाद, आपने थोड़े समय तक जम्मालामडुगु मिशन हॉस्पिटल में चिकित्सा अधिकारी के रूप में सेवा की। आपने वर्ष 1973 में अपने पिता के नाम से 70 बिस्तरों वाला एक धर्मार्थ अस्पताल स्थापित किया।

3. आप वर्ष 1978 में सक्रिय राजनीति में आ गए और चार बार आन्ध्र प्रदेश की विधान सभा के सदस्य रहे। आप कुड्डापा निर्वाचन-क्षेत्र से लगातार 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं लोक सभा के लिए निरंतर निर्वाचित हुए। अपने 31 वर्ष के सुदीर्घ राजनैतिक कार्यकाल के दौरान, आपने सरकार और पार्टी दोनों में विभिन्न पदों पर रहते हुए, जनता की सेवा की। आप 1983-85 और 1998-2000 के दौरान दो बार आन्ध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे। 1980-83 के दौरान आप आन्ध्र प्रदेश की सरकार में मंत्री रहे और आपने ग्रामीण विकास, चिकित्सा और शिक्षा आदि विभाग सँभाले। वर्ष 1999 से 2004 तक, आप ग्यारहवीं विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता रहे।

4. जनता के एक प्रबल समर्थक के रूप में, किसानों, बुनकरों, दलितों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं पर विशेष बल देकर उन्हें उठाते समय, आप अनेक जन-संघर्षों के जोरदार ढंग से आयोजन में सहायक रहे। विशेष रूप से पिछड़े रायलसीमा-क्षेत्र में लम्बित चली आ रही सिंचाई-परियोजनाओं की मंजूरी के लिए किये गये आपके अथक संघर्ष से आपकी करोड़ों किसानों के दिल में एक खास जगह कायम हो गई। अल्प सुविधाभोगी लोगों की सेवा करते समय आप हमेशा यह दृढ़ विश्वास करते रहे कि मानव-जीवन, एक दूसरे को मंगल कामनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए ईश्वर द्वारा प्रदान किया गया एक भव्य वरदान है।

5. आपने दिनांक 14-5-2004 को आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में शपथ ली थी। दिनांक 20-5-2009 को आपने पुनः आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी।

6. आप अपने पीछे अपनी पत्नी, पुत्र एवं पुत्री छोड़ गए हैं।

7. आपके निधन से हमारे राष्ट्र ने एक प्रतिष्ठित नेता, एक अत्यधिक चरित्रवान व्यक्ति और देश तथा देशवासियों के प्रति गहन प्रेम रखने वाला एक जाना-माना व्यक्ति खो दिया है।

गोपाल के. पिल्ले, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 3rd September, 2009

OBITUARY

No. 3/6/2009-Public.—Dr. Y. S. Rajasekhara Reddy, Chief Minister of Andhra Pradesh, died in a helicopter crash in Andhra Pradesh on September 2, 2009.

2. Born on July 8, 1949, in Pulivendula in Rayalaseema region of Andhra Pradesh, Dr. Y. S. Rajasekhara Reddy, popularly known as YSR, was an astute politician and a charismatic mass leader who earned a niche for himself in State politics by his exemplary devotion to the uplift of downtrodden and neglected segments of society. He always struggled to secure the rights of the poor and the underprivileged. Dr. Reddy evinced interest in politics right from his student days. After completing MBBS, he served as a Medical Officer at the Jammalamadugu Mission Hospital for a brief period. In 1973, he established a 70-bed charitable hospital, named after his father.

3. Dr. Reddy entered active politics in 1978 and was member of Andhra Pradesh State Legislative Assembly four times. He was elected to the 9th, 10th, 11th and 12th Lok Sabha consecutively from the Cuddapah Constituency. During his 31 years long political career, he had served the people in multiple capacities both in Government as well as party. He was President of the Andhra Pradesh Congress Committee twice during 1983-85 and 1998-2000. During 1980-83, he was Minister in the Government of Andhra Pradesh holding portfolios of Rural Development, Medical & Health and Education etc. From 1999 to 2004, he was Leader of Opposition in the eleventh State Assembly.

4. As a champion of the masses, Dr. Reddy has been instrumental in orchestrating several mass struggles, while highlighting issues facing peasants, weavers, Dalits, youth and women. His relentless fight for clearance of pending irrigation projects, particularly in the backward Rayalaseema region, earned him a special place in the hearts of millions of farmers. Dr. Reddy always strongly believed that human life is a boon provided by the Almighty to share one's blessings with others, while serving less privileged human beings.

5. Dr. Y.S. Rajasekhara Reddy was sworn in as Chief Minister of Andhra Pradesh on 14-05-2004. He was again sworn in as Chief Minister of Andhra Pradesh for a second term on 20-05-2009.

6. Dr. Y.S. Rajasekhara Reddy is survived by his wife, son and daughter.

7. In the death of Dr. Reddy, the Nation has lost an eminent leader and a person of great moral caliber, known alike for his deep love for the country and abiding affection for his people.

GOPAL K. PILLAI, Home Secy.